

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सेडवा जिला बाड़मेर

राजस्व आवेदन नं. 61/2022 अन्तर्गत धारा 111/128 एल आर एक्ट

पुरखाराम बनाम मगाराम वगैरा

पीठासीन अधिकारी - श्री रामजी भाई कलबी आर ए एस

प्रार्थी वकील - श्री फताराम

निर्णय

दिनांक - 03.11.2022

प्रस्तुत प्रकरण में संक्षिप्त में तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में कथन किया है कि तहसील सेडवा पटवार हल्का नवातला बाखासर भूअनि क्षेत्र सारला के मौजा सूजों का निवाण के खेत खसरा सख्या 51 रकबा 25010 हैक्ट. (15.09 बीघा) किस्म बारानी सोयम स्थित है। प्रार्थी के खेत के पश्चिम विप्रार्थीगण उक्त खातेदारी भूमि के पड़ोसी है। जिनके खेत प्रार्थी के खेत के पड़ोस में स्थित होने के कारण बरसात के समय वक्त काश्त अक्सर विप्रार्थीगण सेढो को लेकर विवाद करते रहते है। प्रार्थी एवं विप्रार्थीगण के मध्य सीमा को लेकर विवाद बना रहता है। इस कारण प्रार्थी अपनी खातेदारी भूमि का सीमाज्ञान करवाकर पत्थरगडडी पेमाईश एवं नेखमबन्दी करवाना चाहते है। प्रार्थी ने पेमाईश एवं नेखमबन्दी करने का निवेदन किया है। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र दर्ज कर विप्रार्थीगण को जरिय नाटिस तलब किया गया। विप्रार्थीगण के नाटिस बाद तामिल प्राप्त हुए। विप्रार्थीगण को जवाब पेश करने हेतु न्यायालय में खसरा प्रपत्तर दिव जाने के बावजूद भी विप्रार्थीगण द्वारा जवाब पेश नहीं किया गया। अतः उनका जवाब का प्रपत्तर बंद किया जाता है। उक्त अनवान पर वकील प्रार्थी की बहस सुनी गई। पत्रावली का अध्ययन अवलोकन किया गया। पत्रावली के सलग्न दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। जिससे स्पष्ट हाता है कि प्रार्थी के वक्त काश्त प्रार्थी व विप्रार्थीगण के मध्य सीमाओं को लेकर विवाद बना रहता है। इस कारण प्रार्थी अपनी खातेदारी भूमि की पेमाईश एवं नेखमबन्दी करवाना चाहते है। प्रार्थी विवादित भूमि के खातेदार काश्तकार राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज होने के कारण प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार की जाकर विवादित भूमि तहसील सेडवा पटवार हल्का नवातला बाखासर भूअनि क्षेत्र सारला के मौजा सूजों का निवाण के खेत खसरा सख्या 51 रकबा 25010 हैक्ट. (15.09 बीघा), किस्म बारानी सोयम की नेखमबन्दी करने का आदेश दिया जाता है। नेखमबन्दी करने हेतु खसराकारदार सेडवा का कमीशनर नियुक्त किया जाता है। कमीशनर को निर्देश दिया जाता है कि वह उक्त क्षेत्र में किसी मुस्तकील/स्थाई बिन्दु को आधार मानकर पेमाईश करे व नेखमबन्दी करे। प्रार्थी को निर्देश दिया जाता है कि किसी सक्षम न्यायालय से स्थगन आदेश न आता वा दस्तावेजों के स्वयं जांचकर सीमाओं की स्थिति व कब्जा काश्त में परिवर्तन किये बिना मुस्तकील/स्थाई बिन्दु को आधार मानकर पेमाईश करे व नेखमबन्दी करे। पालना रिपोर्ट पेश करे वक्त पेमाईश हल्का पटवारी का साथ में नेखमबन्दी के दौरान किसी बिन्दु को लेकर विवाद की स्थिति हो तो नेखम स्थापित नहीं किये जावे और उसकी मौका स्थिति की रिपोर्ट पेश करे। तहरीर जारी हो।

तहसीलदार सेडवा को आदेश दिया जाता है कि वे प्रार्थी के खसरे की नेखमबन्दी विप्रार्थीगण की तहरीरि न करावे एवं नेखमबन्दी के दौरान विप्रार्थीगण के हितों पर कुठाराघात न हो।

पत्रावली पालना रिपोर्ट प्राप्त होने पर पेश हो पत्रावली फैसला शुमार हाकर दाखिल करवाकर अन्तर् हो।
निर्णय आज दिनांक 03.11.2022 को न्यायालय के खुले परिसर में सुनाया गया।



(श्री रामजी भाई कलबी)

उपखण्ड अधिकारी, सेडवा